छोटे छोटे काम दिल से करने से अनेंकों के दुआओं के अधिकारी..... रामप्रकाशभाई

सोलापूर मे ब्रहमाकुमरी के सात अरब सत्कर्म महायोजना का शुभारंभ

सोलापूर .

बडे बडे काम करने के लिए जितनी हिम्मत की आवश्यकता होती है उस से भी अधिक हिम्मत की आवाश्यकता साधाण लगनेवाले छोटे छोटे काम करने के लिए होती है क्योंकी छोटे छोते काम करने से अपनी इज्जत कम हो जाएगी ऐसी मनुष्य की गलत धारणा है | बडे बडे काम करने से हम ओंरों के ईर्ष्या के शिकार बन सकते है लेकिन छोटे छोटे काम दिल से करने से अनेंको को खुशी मिलती है | हम उन के आशिर्वाद के अधिकारी बनते है |' ऐसे उदगार न्यूॅयॉर्क से पधारे ब्रहमाकुमारी व युनो द्वारे संचलित सात अरब सत्कर्म योजना के समन्वयक ब्रहमाकुमार रामप्रकाशभाईजी इन्होंने निकाले|

वे आज यहॉ पर ब्रहमाकुमारी विद्यालय के सोलापूर सेवाकेंद१द्वारा बसवंती मंगल कार्यालय मे आयोजित इस अभियान के उदघाटन समय पर प्रमुख वक्ता के रूप से मार्गदर्शन कर रहे थे | उन्होंने आगे कहा ब्रहमाकुमारी विद्यालय के साधक सदा खुश रहते है इस का कारण वे छोटे छोटे काम भी दिल से करते है | अच्छे कर्म करने से व्यक्ति प्रकृती व परमात्मशक्ति इन के दुआओं के पात्र बनते है | इन दुआओं फल माना हमारे जीवन की खुशी| ब्रहमाकुमारीद्वारा शुरू किये गये अच्छाई और खुशी की कांती लानेवाले इस अभियानअंतर्गत पीछाले साडेचार मास मे १४ राज्योंके १00 शहरों मे ३00 से भी जादा कार्यकम संपन्न हुए| अच्छाई की कांती की शुरवात स्वयं से करना है | जब आप औरों के दुःख मिटाने की सेवा करते हो तो आप के दुःख अपने आप भूल जाएंगे | हो सकता है अच्छे कर्म का फल तुरंत नही मिल सके लेकिन जीवन के संकटपूर्ण नाजूक समयपर संचित अच्छे कर्म ही हमे साथ देते है| भागदौड के जीवन में आवश्यक एकाग्रता की प्राप्ती राजयोग के अभ्यास द्वारा होती है| आध्यात्मिक ज्ञान एवं योगसाधना को अपने कर्मव्यवहार मे प्रकट करने की युक्ती और शक्ती ईश्वरीय विद्यालय मे प्राप्त होती है | योगसाधना के द्वारा प्राप्त परमात्मप्रेम एवं खुशी अपने जीवन मे आध्यात्मिक शक्ती का निर्माण करती है | इस आध्यात्मिक शक्तिद्वारा हम संसार मे प्रेम व खुशी प्रवाहित कर सकते है |सदा खुशी बॉटते रहो | खुशी बॉटने से खुशी बढेगी | औरों के मदत करना उत्साह बढाना गिरते हुए को उपर उठाना ऐसे कुछ सत्कर्म की उदाहरण रामभाईने दिये |

उदघाटनपर मनोगत व्यक्त करते हुए महापौर सुशीलाताई आबुटे इन्होंने कहा, 'दिल से और प्यार से कर्म करने की कला, गौतमबुध्द की दया- क्षमा- शांती एवं कबीर की शीतलता ब्रहमाकुमारी विद्यालय मे सिखने को मिलती है |' तथा राजयोग के नित्य अभ्यास से आत्मविश्वास बढता है | '

सोलापूर उपक्षेत्र संचालिका सोमप्रभबहनजी इन्होंने अपने आशिर्वचनों से सब को लाभाान्वित किया | अध्यक्षीय समारोप सोलापूर महानगरपाालिका के आयुक्त चंदकांत गुडेवार इन्होंने किया |

इस समय पर प्रमुख अतिथी के रूप मे यशोधरा हॉस्पिटलचे सर्जन डॉ. विजय शिवपुजे, समाजसेवक कुमार करजगी दादा एवं डॉ मेरू मॅडम भी उपस्थित थे |

स्वागतपर मनोगत तातुसकरभाई इन्होंने किया| ब.कु. सग्वूबहनजी ने विद्यालय का संक्षिप्त परिचय दिया| रेणूकाबहनजींनी स्वप्रबंधन स्वप्रबंधन विषयपर मार्गदर्शन किया| सुत्रसंचलन तुकाराम मस्के इन्होंने किया . **कुमारी वैष्णवी ने स्वागतनृत्य प्रस्तुत किया|** बहमाकुमारी बहनों ने अतिथीयों का पुष्पगुच्छ एवं बॅजद्वारा स्वागत किया | **इस समय सात अरब सत्कर्म महायोजना के फॉर्म भी सब से भरकर लिए गये** |